

## हमालय में वनाग्नि

### प्रलिस के लयः

हमालयी कषेत्र, भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI), वर्षण

### मेन्स के लयः

हमालय वनाग्नि, सरकारी नीतयों और हस्तकषेप, पर्यावरण प्रदूषण और कषरण

स्रोत: डाउन.टू.अर्थ

## चर्चा में कयों?

इस सर्दी में वर्षा की कमी के कारण [हमालयी कषेत्र](#) में वशेषकर [हमालय तथा उत्तराखंड](#) में [वनाग्नि/जंगल की आग](#) लगने की कई घटनाएँ सामने आई हैं।

- [भारतीय वन सर्वेक्षण \(Forest Survey of India- FSI\)](#) के अनुसार, 16 अक्टूबर, 2023 से 16 जनवरी 2024 के बीच [वनाग्नि](#) की 2,050 घटनाएँ हुईं, कति वगित वर्ष इसी अवधि के दौरान वनाग्नि की केवल 296 घटनाएँ हुईं।

## वनाग्नि क्या है?

### परचयः

- इसे [बुश फायर/वेजटेशन फायर](#) अथवा [वनाग्नि](#) भी कहा जाता है, इसे कसी भी अनयंत्रित और गैर-नरिधारित दहन अथवा प्राकृतिक स्थिति जैसे क जंगल, घास के मैदान, कषुपभूमि (Shrubland) अथवा टुंडरा में पौधों/वनस्पतयों के जलने के रूप में वर्णित कया जा सकता है, जो प्राकृतिक ईधन का उपयोग करती है और पर्यावरणीय स्थतयों (जैसे- वायु तथा स्थलाकृत आदी) के आधार पर इसका प्रसार होता है।
- वनाग्नि के लयि तीन कारकों की उपस्थति आवश्यक है और वे हैं- [ईधन](#), [ऑक्सीजन](#) एवं [ऊष्मा](#) अथवा [ताप](#) का स्रोत।

### वर्गीकरणः

- [सतही आग](#): इस प्रकार की जंगल की आग [मुख्य रूप से सतही आग के रूप](#) में हो सकती है, जसमें ज़मीन पर पड़े कूड़े ( पत्ते और टहनयों एवं सूखी घास आदी) में आग लगती है।
- [भूमगत आग](#): कम तीव्रता की ऐसी आग जसमें [सतह एवं इसके नीचे के कार्बनिक पदार्थ और कूड़े में आग लगती है](#), इसे भूमगत आग के रूप में वर्गीकृत कया जाता है। अधकिंश घने जंगलों में मृदा की सतह पर कार्बनिक पदार्थ का आवरण पाया जाता है।
  - ये आग आमतौर पर पूरी तरह से भूमगत होने के साथ सतह से कुछ मीटर नीचे तक लग सकती है।
  - यह आग बहुत धीरे-धीरे फैलती है तथा [ज़्यादातर मामलों में इस प्रकार की आग का पता लगाना और उस पर काबू पाना बहुत मुश्कल हो जाता है।](#)
  - ये महीनों तक जारी रह सकती है जससे [मृदा का वनस्पति आवरण नष्ट हो सकता है।](#)
- [भूमगत आग](#): ये आग उपसतह जैवकि ईधन में लगी आग हैं, जैसे जंगल के नीचे की परत, [आर्कटिक टुंडरा या टैगा](#), और दलदल या दलदल की जैवकि मट्टी।
  - [भूमगत और ज़मीनी आग के बीच कोई स्पष्ट अंतर नहीं है।](#)
  - सुलगती भूमगत आग कभी-कभी ज़मीनी आग में बदल जाती है।
  - यह आग जड़ और अन्य सामग्री को सतह पर या भीतर जला देती है, यानी, कषय के वभिन्न चरणों में कार्बनिक पदार्थ की परत के साथ जंगल के फर्श पर उगने वाली जड़ी-बूटयों तक को जला देती है।
  - [यह सतही आग \(surface fires\) की तुलना में अधिक हानिकारक है](#), कयोंक वे वनस्पति को पूरी तरह से नष्ट कर सकते हैं। भूमगत आग सतह के नीचे जलती है और अक्सर सतही अग्नि से प्रज्वलति होती है।

## हमालय कषेत्र में वनाग्नि की घटनाओं कनि कारकों का योगदान है?



- बायोमास वे कार्बनिक पदार्थ है जो पौधों एवं जानवरों से प्राप्त होते हैं और यह ऊर्जा का एक नवीकरणीय स्रोत है। बायोमास में ऊर्जा सूर्य से संग्रहीत होती है। पौधे प्रकाश संश्लेषण नामक प्रक्रिया में सूर्य से ऊर्जा को अवशोषित करते हैं। जब बायोमास को जलाया जाता है, तो रासायनिक ऊर्जा ऊष्मा के रूप में उत्सर्जित होती है।
- फसल अवशेष और बायोमास के जलने (जंगल की आग) को कार्बन डाइऑक्साइड (CO<sub>2</sub>), कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), मीथेन (CH<sub>4</sub>), वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOC), और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO) का एक प्रमुख स्रोत माना जाता है। चावल की फसल के अवशेषों को जलाने से वातावरण में सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर, SO<sub>2</sub>, NO<sub>2</sub> और O<sub>3</sub> उत्सर्जित होते हैं। **अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।**

**??????:**

**प्रश्न.** अधिकांश असामान्य जलवायु घटनाओं को एल-नीनो प्रभाव के परिणाम के रूप में समझाया गया है। क्या आप सहमत हैं? (2014)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/forest-fires-in-the-himalayas>

